(Pages : 4) **P – 1134**

Reg. No. : .....

Name : .....

Second Semester B.A. Degree Examination, September 2022

First Degree Programme Under CBCSS

Hindi Language and Literature

Complementary Course III

HN 1231 : SPECIAL AUTHOR KABEER DAS

(2017-2019 Admission)

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. निर्देश : एक या दो वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. रामानंद के अलावा कबीरदास किस महान को आदर के साथ देखते थे?

2. कबीरदास के रचना संग्रह का नाम क्या है? उसके कितने भाग है?

3. 'सबद' का मतलब क्या है?

4. सूफी काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि के रूप में किसे मानते है?

5. कबीर की भाषा को क्या कहते है?

6. कबीर की राय में प्रेम की गली कैसी है?

7. कबीरदास हिन्दी साहित्य के किस काल के कवि है?

8. कबीर के ब्रह्म की विशेषताएं क्या-क्या है?

P.T.O.

gcwcentrallibrary.in

9. कबीर के बच्चों को नाम लिखिए।

10. कबीर की मृत्यु कहाँ हुई?

(10 × 1 = 10 Marks)

II. **निर्देशः किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

11. कबीरदस के समय समाज में साधुओं की संख्या बढती जा रही थी। यह उनको पसंद नही था। क्यों?

12. कबीर ने अपनी भक्ति को प्रेमभक्ति क्यों कहा?

13. रहस्यवाद की परिभाषा दीजिए।

14. कबीरदास के 'राम' की विशेषता क्या है?

15. कबीर ने गुरु की महिमा का वर्णन बार-बार किया क्यों?

16. कबीर का दार्शनिक चिंतन क्या है?

17. कबीर किसको माया की उपज मानते हैं?

18. कबीर आत्मा को क्यों 'राम नाम बहुरिया' कहकर पुकारते हैं?

19. कबीर युगीन धार्मिक परिस्थिति कैसी है?

20. कबीर क्यों माया को दूर रहने का संदेश देते हैं?

21. मूर्तिपूजन के खिलाफ कबीर ने अपने विचार कैसे व्यक्त किया है?

22. हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रचारक के रूप में कबीर की भूमिका समझाइए।

(8 × 2 = 16 Marks)

gcwcentrallibrary.in

III. निर्देश:किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर **120** शब्दों में दीजिए।

23. कबीर दास के रहस्यवाद के चार सोपानों को उनकी रचनाओं में से उदाहरण सहित स्पट कीजिए।

24. कबीर दास ने हिंदु-मुस्लिम धार्मिक पाखंडता का अनावरण कैसे किया?

25. कबीरदास की रचनाओं की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

26. कबीर दास की रचनाओं चंद विधान पर टिप्पणी लिखिए।

27. कबीर ने 'राम नाम' की महिमा का वर्णन कैसे किया है?

28. कबीर के अनुसार साधु कैसे होना चाहिए।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

29. 'पाहन पुजु हरि मिलें तो मैं पूजुँ पहार।
ताते ये चाकि भली पीस खांस संसार।।'
'माला फेरत जुग भया, फिरा न मन को फेर।
कर का मनका डार दो, मन का मनका फेर'।।

30. तिनका कबहुँ न निंदये, जो पाँव तले होय।
कबहुँ उड आँखों पडे, पीर घानेरी होय।।
अति का भला न बोलना, अति की भली न चुप।
अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।।

31. एक निरंजन अलह मेरा,
हिन्दु बृटक दहु नही मेरा।
शखूँ व्रत न मरहम जाँनाँ, तिसही सुमिरूँ जो रहे निदानों।
पूजा करूँ न निमाण गुजारूँ, एक निराकर हिरदै नमस्ताएँ।।
नाँ हंज जाँऊँ न तीत्थं पूजा, एक पिछाँण्या को का दूजा।
कहै कबीर भप्म सब भाग, एक निरंजन सूँ मन लगा।।

(6 × 4 = 24 Marks)

gcwcentrallibrary.in

IV. निर्देश : किन्हीं प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में लिखिए।

32. कबीर दास की रचनाओं पर कबीर युगीन परिस्थितियों का प्रभाव पडा है स्पष्ट कीजिए।

33. कबीर की भक्ति साधना की विशेषताओं को विस्तारपूर्वक समझाइए।

34. स्पष्ट कीजिए कि 'समाज सुधार के क्षेत्र में कबीर का एक क्रांतिकारी व्यक्तित्व था'।

35. कबीर की रचनाओं की काव्यगत विशेषताओं को विस्तार से समझाइए।

(2 × 15 = 30 Marks)

gcwcentrallibrary.in